



दैनिक जागरण

The Indian EXPRESS  
JOURNALISM OF COURAGE



दैनिक भास्कर



THE HINDU

जनसत्ता

Paity

# CURRENT AFFAIRS

## IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

27 February



# Quote of the Day



**जीवन** में वही व्यक्ति सफल होता है,  
जो हर **गिरावट** से  
कुछ **सीखता** है और **उठकर**  
फिर से **आगे** बढ़ता है।



# भारत की पवन ऊर्जा क्षमता में बढ़ोतरी

**UPSC Syllabus Relevance**

- **UPSC Mains Paper 2**





संभावित वृद्धि:

✓ 2026-27 तक भारत की कुल पवन ऊर्जा क्षमता बढ़कर 63 गीगावाट (GW) होने की उम्मीद है।

63 GW

वार्षिक वृद्धि का अनुमान:

✓ अगले दो वित्तीय वर्षों (2024-26) में वार्षिक वृद्धि 7.1 गीगावाट रहने की संभावना है।

financial year

✓ यह वित्त वर्ष 2023-25 की 3.4 गीगावाट वृद्धि से दोगुने से अधिक होगी।





संभावित वृद्धि:

सरकारी प्रयासों का प्रभाव:

- ✓ 24 फरवरी को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी नीतियों से इस क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।
- ✓ इससे 2026-27 तक पवन ऊर्जा की संस्थापित क्षमता 63 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है।

63 → 60  
25-26



## संभावित वृद्धि:

### पूर्व की वृद्धि दर:

- ✓ क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक FY 2023-24 और FY 2024-25 में वृद्धि 6-7 गीगावाट रही।
- ✓ वित्त वर्ष 2011-23 में उपयोग 5.9 गीगावाट और FY 2023-25 में 5.2 गीगावाट था।

### धीमी प्रगति के कारण:

- ✓ कम टैरिफ के चलते डेवलपर्स की रुचि घटी, जिससे कम रिटर्न मिला।
- ✓ उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में भूमि की उपलब्धता और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां।



संभावित वृद्धि:

हाइब्रिड अक्षय परियोजनाओं का प्रभाव:

- ✓ सरकार द्वारा हाइब्रिड अक्षय परियोजनाओं (सौर, पवन, भंडारण) को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।
- ✓ इन परियोजनाओं में पवन ऊर्जा का योगदान 30-50% रहने की उम्मीद है।
- ✓ पवन ऊर्जा पीक डिमांड के समय बिजली पैदा करती है, जबकि सौर ऊर्जा मुख्य रूप से दिन में सक्रिय रहती है।

# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत की कुल पवन ऊर्जा क्षमता 2026-27 तक 63 गीगावाट (GW) तक पहुंचने की संभावना है।
2. वित्त वर्ष 2023-25 में वार्षिक वृद्धि दर 7.1 गीगावाट रही है।
3. सरकार की हाइब्रिड अक्षय परियोजनाओं में पवन ऊर्जा का योगदान 30-50% तक रहने की उम्मीद है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3 ✓





# अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र

**UPSC Syllabus Relevance**

- **UPSC Mains Paper 2**





## चर्चा में क्यों?

- ✓ सर्वोच्च न्यायालय (SC) ने स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण के महत्त्व पर ज़ोर दिया तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम (SWM नियम, 2016) के अनुसार स्रोत पर अपशिष्ट का पृथक्करण के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) राज्यों से सवाल पूछे।





## चर्चा में क्यों?

- ✓ सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) को अपशिष्ट से ऊर्जा निर्मित करने वाले संयंत्रों के सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभाव पर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।
- ✓ नोट: NCR में दिल्ली और हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ ज़िले शामिल हैं।



## स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण क्या है?

### परिचय:

- ✓ यह घरों, उद्योगों, व्यवसायों और अन्य मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न किसी भी प्रकार के कूड़ा, कचरा या अपशिष्ट सामग्री को संदर्भित करता है।
- ✓ पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी खतरों को रोकने के लिये इनका उचित प्रबंधन आवश्यक है।



## स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण क्या है?

### स्रोत पर अपशिष्ट का पृथक्करण:

- ✓ यह उचित निपटान, पुनर्चक्रण और प्रबंधन की सुविधा के लिये उत्पादन स्थल पर अपशिष्ट की पहचान, वर्गीकरण, विभाजन की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
- ✓ यह अपशिष्ट को उसके जैविक, भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर वर्गीकृत करता है।



स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण क्या है?

**SWM नियम, 2016 में प्रावधान:** ✓

- ✓ SWM नियम, 2016 अपशिष्ट को तीन श्रेणियों अर्थात् बायोडिग्रेडेबल, नॉन-बायोडिग्रेडेबल और घरेलू खतरनाक अपशिष्ट में वर्गीकृत करता है।



## स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण क्या है?

### जैवनिम्नीकरणीय:

- ✓ जैविक अपशिष्ट जिन्हें सूक्ष्म जीवों द्वारा सरल और स्थिर यौगिकों में विघटित किया जा सकता है, जैसे खाद्य अवशेष, गंदे रैपर, कागज़ आदि।

Waste Segregation ✓

The Need Of The Hour





## स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण क्या है?

### गैर-जैवनिम्नीकरणीय:

- ✓ पुनर्चक्रणीय/गैर-पुनर्चक्रणीय वस्तुएँ जैसे प्लास्टिक, काँच, धातु आदि।
- ✓ घरेलू खतरनाक अपशिष्ट: डायपर, नैपकिन, मच्छर निरोधक, सफाई एजेंट आदि।





महत्त्व:

- ✓ **प्रदूषण को रोकता है:** खतरनाक और गैर-खतरनाक अपशिष्ट को पृथक करता है, जिससे प्रदूषण कम होता है।
- ✓ **लैंडफिल अपशिष्ट को कम करता है:** केवल गैर-पुनर्चक्रणीय अपशिष्ट को ही लैंडफिल में भेजा है।
- ✓ **पुनर्चक्रण को बढ़ाता है:** संसाधन पुनर्प्राप्ति में सुधार करता है और कच्चे माल के उपयोग को कम करता है। कंपोस्ट निर्माण, पुनर्चक्रण और अपशिष्ट उपचार को सक्षम बनाता है।



महत्व:

- ✓ स्वास्थ्य जोखिम को कम करता है: चिकित्सा और खतरनाक अपशिष्ट से होने वाली बीमारियों को रोकता है।
- ✓ उत्तरदायित्व को बढ़ावा देता है: अपशिष्ट प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।



## ठोस अपशिष्ट उत्पादन

- ✓ CPCB की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट की औसत मात्रा 1,70,338 टन प्रति दिन (TPD) है, जिसमें से 91,512 TPD का उपचार किया जाता है।
- ✓ दिल्ली में प्रतिदिन 11,000 मीट्रिक टन से अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जबकि अपशिष्ट उपचार संयंत्र केवल 8,073 मीट्रिक टन ही संसाधित कर सकते हैं।

Hospitality





## ठोस अपशिष्ट उत्पादन

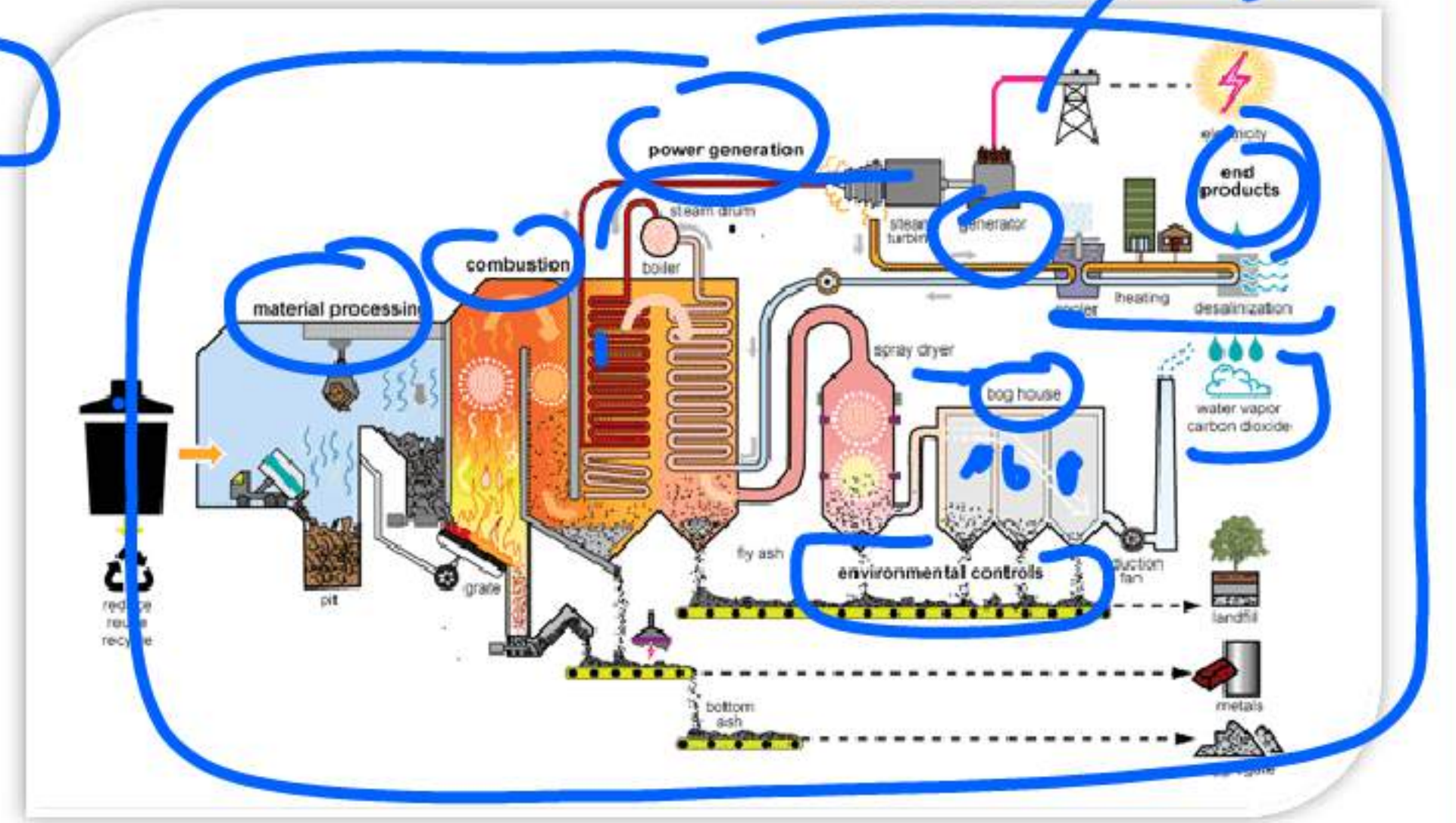
- ✓ वित्त वर्ष 2014-15 में, भारत ने अपने कुल अपशिष्ट का केवल 18% ही संसाधित किया, जो वित्त वर्ष 2024 में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 78% से अधिक हो गया।



अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र क्या है?

परिचय:

- ✓ अपशिष्ट से ऊर्जा (WtE) संयंत्र, नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट (MSW) को विभिन्न प्रौद्योगिकियों जैसे कि पायरोलिसिस, अवायवीय अपघटन आदि के माध्यम से विद्युत्, ऊष्मा या ईंधन के रूप में ऊर्जा में परिवर्तित करते हैं।
- ✓ यह शहरी, औद्योगिक और कृषि अपशिष्टों/अवशेषों से बायोगैस / बायोसीएनजी / सिनगैस भी उत्पन्न करता है।





SWM नियम, 2016 में संबंधित प्रावधान:

- ✓ गैर-पुनर्चक्रणीय अपशिष्ट का उपयोग: 1500 किलोकैलोरी/किग्रा या इससे अधिक कैलोरी मान वाले अपशिष्ट का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिये किया जाना चाहिये तथा उसे लैंडफिल में नहीं निपटाया जा सकता है।
- ✓ उच्च कैलोरी वाले अपशिष्ट को सीमेंट या ताप विद्युत संयंत्रों में सह-प्रसंस्कृत किया जाना चाहिये।



SWM नियम, 2016 में संबंधित प्रावधान:

- ✓ **RDF का अनिवार्य उपयोग:** ईंधन का उपयोग करने वाली औद्योगिक इकाइयों और ठोस अपशिष्ट आधारित अपशिष्ट-व्युत्पन्न ईंधन (RDF) संयंत्र के 100 किमी. के भीतर स्थित इकाइयों, को अपने ईंधन का कम से कम 5% RDF से प्रतिस्थापित करना होगा।
- ✓ RDF का निर्माण नगरपालिका और औद्योगिक अपशिष्ट से गैर-दहनशील पदार्थों को हटाकर किया जाता है, जिससे प्लास्टिक, कागज़, वस्त्र और बायोमास शेष रह जाते हैं।



## WtE रूपांतरण की विधियाँ:

### भस्मीकरण:

- ✓ अपशिष्ट का अत्यंत उच्च तापमान पर दहन किया जाता है, जिससे ऊष्मा उत्पन्न होती है और टर्बाइनों के चक्रण हेतु वाष्प उत्पन्न होती है एवं अंततः विद्युत का उत्पादन होता है।



### गैसीकरण:

- ✓ जैव ईंधन को बिना दहन के उच्च तापमान पर प्रसंस्कृत कर सिंथेटिक गैस (सिनगैस) का उत्पादन किया जाता है, जो विद्युत उत्पादन या औद्योगिक उपयोग के लिये ईंधन के रूप में प्रयोग में लाया जाता है।





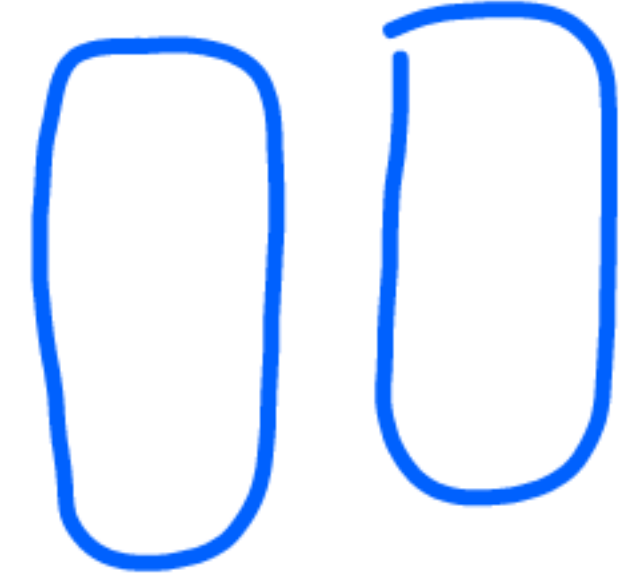
## WtE रूपांतरण की विधियाँ:

- ✓ **अवायवीय अपघटन:** सूक्ष्मजीव ऑक्सीजन रहित वातावरण में कार्बनिक अपशिष्ट को विघटित करते हैं, जिससे मीथेन युक्त बायोगैस उत्पन्न होती है।
- ✓ **किण्वन और आसवन:** कार्बनिक बायोमास को किण्वित और आसवित कर इथेनॉल बनाया जाता है, जो इंजनों के लिये एक वैकल्पिक ईंधन है।



## WtE रूपांतरण की विधियाँ:

- ✓ पायरोलिसिस: यह एक ऊष्मरासायनिक प्रक्रम है जो ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में उच्च तापमान पर अपशिष्ट को स्वच्छ तरल ईंधन (जैव-तेल, सिंथेटिक गैस और चारकोल) में परिवर्तित करती है।
- ✓ लैंडफिल गैस रिकवरी लैंडफिल से उत्सर्जित मीथेन और अन्य गैसों को ब्लोअर और वैक्यूम का उपयोग कर कूपों के माध्यम से प्रग्रहण कर लिया जाता है, फिर ऊर्जा उत्पादन के लिये उनका उपचार किया जाता है।





महत्व:

- ✓ **अपशिष्ट का उपयोग:** ये संयंत्र अपशिष्ट को ऊष्मा और विद्युत में परिवर्तित करता है, जिससे जीवाश्म ईंधन की आवश्यकता कम हो जाती है।
- ✓ **लैंडफिलिंग में कमी:** इसके अतिरिक्त यह लैंडफिल अपशिष्ट और संबंधित पर्यावरणीय जोखिम जैसे उत्सर्जन, भूमि उपयोग और भूजल संदूषण को कम करता है।

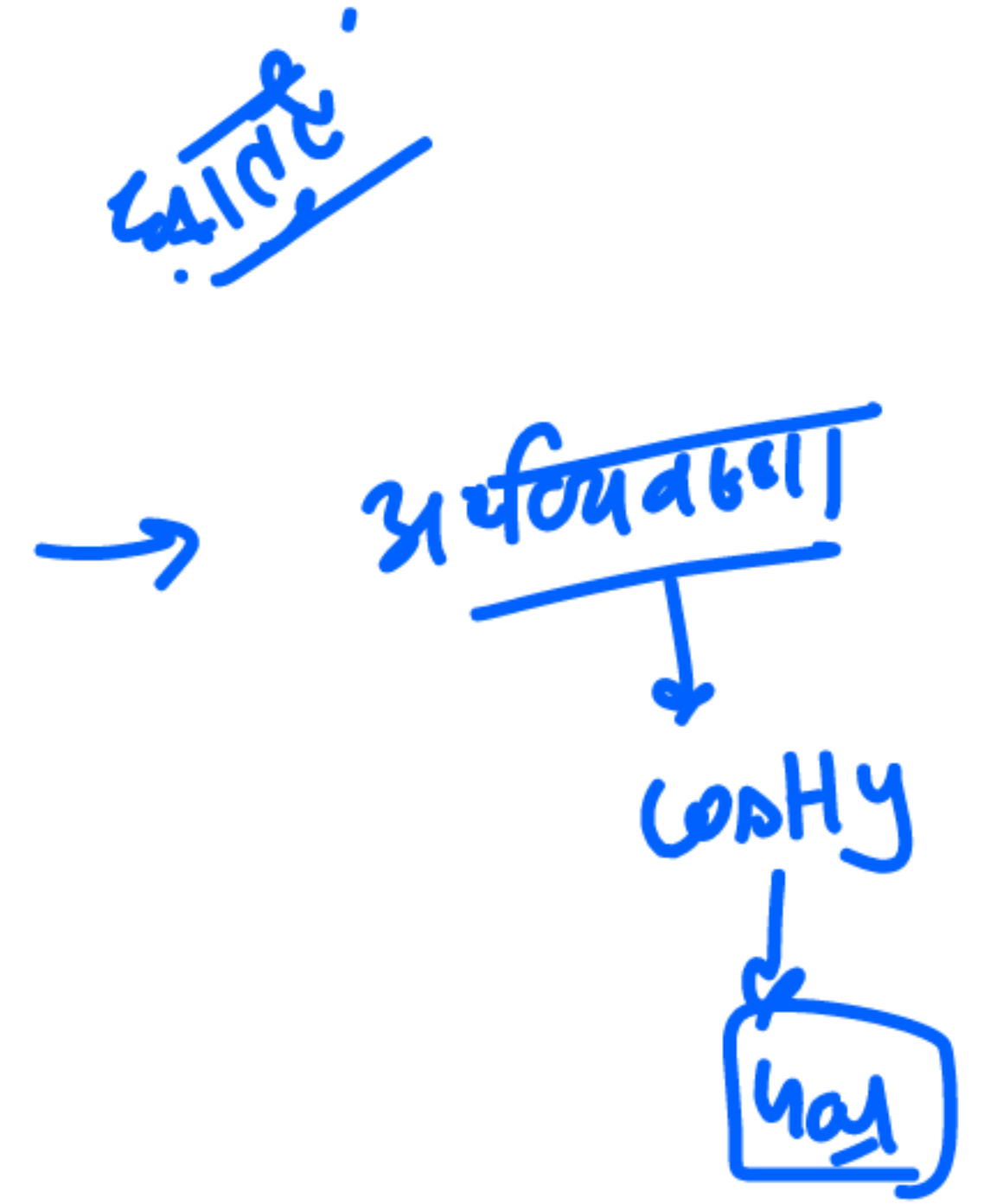


महत्व:

✓ संसाधन पुनर्प्राप्ति: इसके उपयोग से भस्मीकरण के पश्चात् धातु पुनर्प्राप्ति संभव होता है और वृत्तीय अर्थव्यवस्था में मूल्यवान सामग्रियों की उपस्थिति बनी रहती है।

GHG

✓ ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी: लैंडफिल से मीथेन उत्सर्जन होता है, जो एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस (GHG) है, जबकि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में अपशिष्ट का अल्प उत्सर्जन होता है।





## SWM मसौदा नियम, 2024

- ✓ पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार द्वारा SWM मसौदा नियम, 2024 जारी किये गए।

### प्रमुख प्रावधान:

- ✓ जुर्माने का प्रावधान: इसमें 'सफाई कर्मचारियों' को पृथक्करण नियमों की अनदेखी किये जाने पर असंयोजित अपशिष्ट तथा कूड़ा संग्रहण पर जुर्माना एवं दंड लगाने का अधिकार दिये जाने का प्रावधान है।

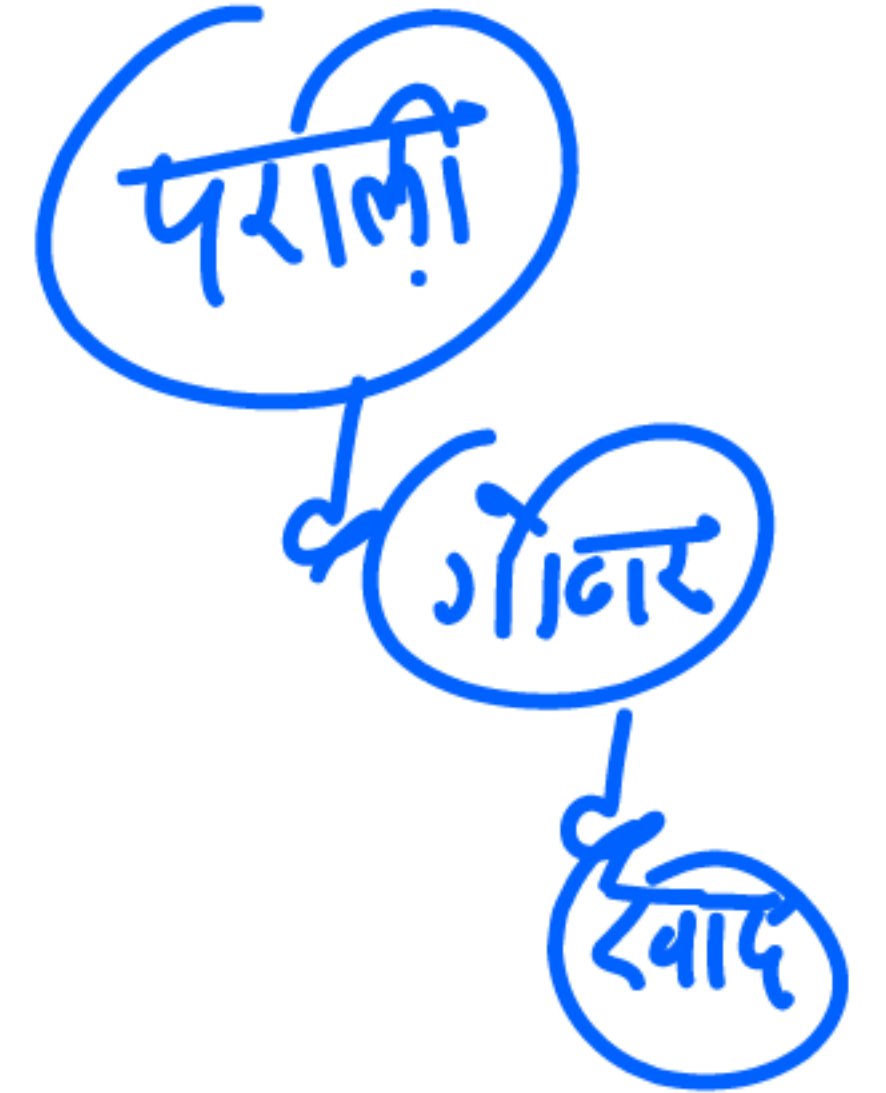
अनदेखी  
↓



## SWM मसौदा नियम, 2024

### प्रमुख प्रावधान:

- ✓ ठोस अपशिष्ट का पृथक्करण: इसमें उत्पन्न अपशिष्ट को चार अलग-अलग श्रेणियों में संग्रहित करने का प्रावधान है अर्थात् गीला अपशिष्ट, सूखा अपशिष्ट, सैनिटरी अपशिष्ट और विशेष देखभाल अपशिष्ट।
- ✓ कृषि अपशिष्ट प्रबंधन: ग्राम पंचायतों को कृषि अपशिष्ट को खुले में जलाने से रोकने के साथ पराली जलाने पर जुर्माना लगाना चाहिये तथा कृषि-अवशेषों के संग्रहण एवं भंडारण की सुविधा प्रदान करनी चाहिये।





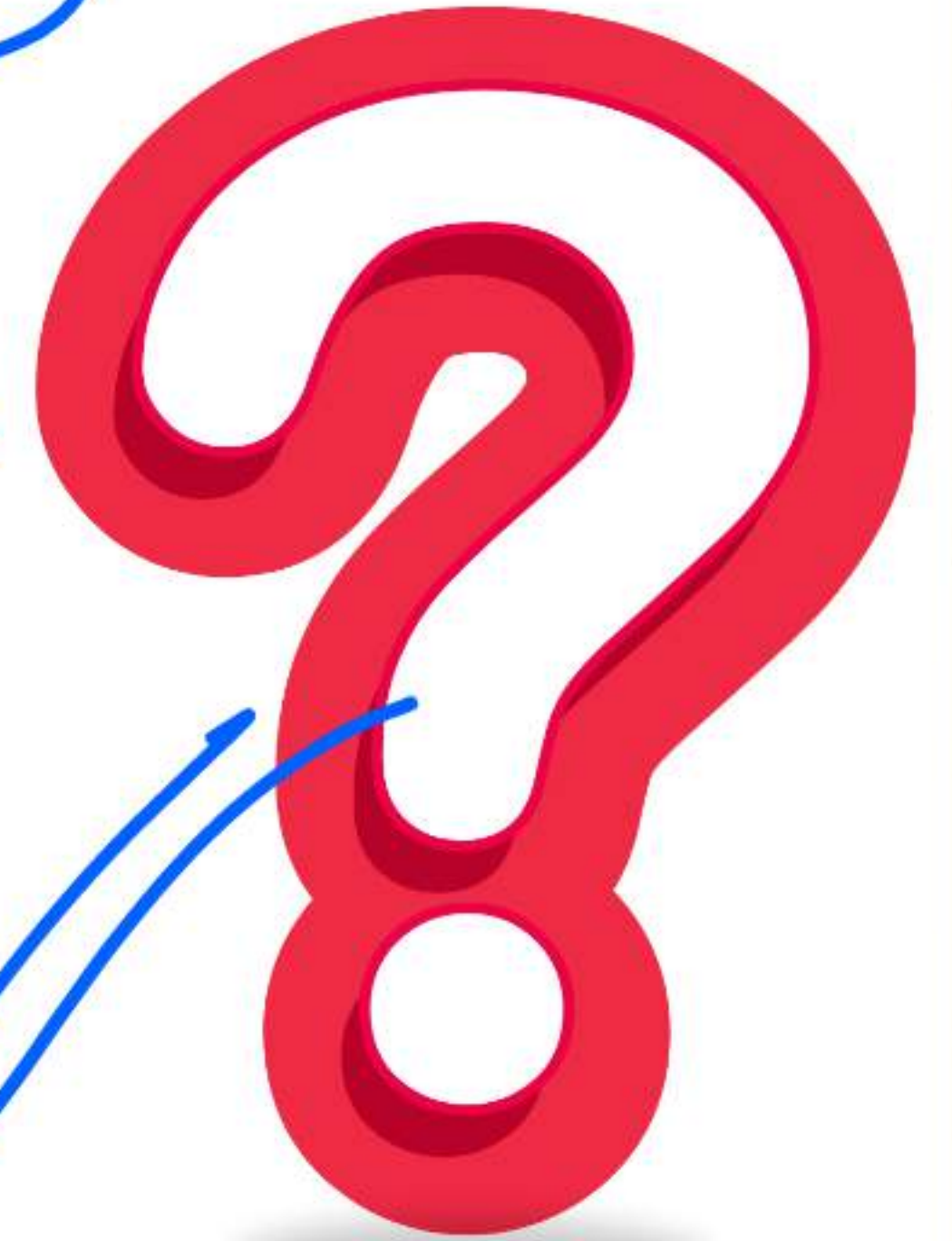
## निष्कर्ष

- ✓ स्रोत पर पृथक्करण और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन के साथ प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, धारणीय शहरी विकास हेतु महत्वपूर्ण है।
- ✓ SWM नियम, 2016 से एक रूपरेखा तो मिलती है लेकिन इसके प्रवर्तन में चुनौतियों के साथ अनौपचारिक क्षेत्र के एकीकरण तथा अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्रों से जुड़ी पर्यावरण संबंधी चिंताओं से इस क्षेत्र में सख्त निगरानी एवं विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रसंस्करण की आवश्यकता पर प्रकाश पड़ता है।

## CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम (SWM नियम), 2016 के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है?

- (A) जैव-अपघटनीय, गैर-जैव-अपघटनीय और घरेलू खतरनाक अपशिष्ट के रूप में पृथक्करण अनिवार्य है।
- (B) 1500 किलोकैलोरी/किग्रा या उससे अधिक कैलोरी मान वाले अपशिष्ट को ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग करना आवश्यक है।
- (C) अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र केवल जैविक कचरे से ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं।
- (D) ईंधन-आधारित उद्योगों को अपने ईंधन का कम से कम 5% RDF (Refuse-Derived Fuel) से प्रतिस्थापित करना होगा।





# पृथ्वी पर बढ़ते तापमान की वजह घटते बादल?

**UPSC Syllabus Relevance**

- **UPSC Mains Paper 2**





## बढ़ता तापमान: नया रिकॉर्ड

- ✓ वैश्विक तापमान में लगातार वृद्धि एक गंभीर चुनौती बन गई है।
- ✓ 2024 में तापमान एक नए शिखर पर पहुंच गया, जो इस बढ़ते खतरे का संकेत है।
- ✓ औद्योगिक काल से पहले की तुलना में 2024 में वैश्विक औसत तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जो 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर चुका है।





## 2023 और 2024 में तापमान के रुझान

- ✓ 2023 में भी तापमान रिकॉर्ड स्तर पर था, जिसमें वृद्धि 1.45 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई।
- ✓ इस वृद्धि में अल नीनो की महत्वपूर्ण भूमिका रही, लेकिन यह दर्शाता है कि धरती तेजी से गर्म हो रही है।
- ✓ तेजी से बढ़ते तापमान के कारण
- ✓ **मुख्य कारण:** इंसानों द्वारा उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों।



## 2023 और 2024 में तापमान के रुझान

अन्य योगदान कारक:

- ✓ **बादलों के आवरण में गिरावट:** वैज्ञानिकों के अनुसार, बादलों में कमी से पृथ्वी का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है।
- ✓ **बादलों का बदलता स्वरूप:** बादल अब पहले जैसे नहीं रहे और इसमें नाटकीय परिवर्तन हो रहा है।





## बादलों की भूमिका और उनका घटता असर

✓ वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि बादलों में गिरावट एक फीडबैक लूप को सक्रिय कर सकती है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

### कैसे काम करता है फीडबैक लूप?

✓ कम बादल होने से सूर्य की अधिक गर्मी पृथ्वी तक पहुंचती है, जिससे तापमान बढ़ता है।

✓ बढ़ता तापमान बादलों को और कम करता है, जिससे यह चक्र और तेज हो जाता है।

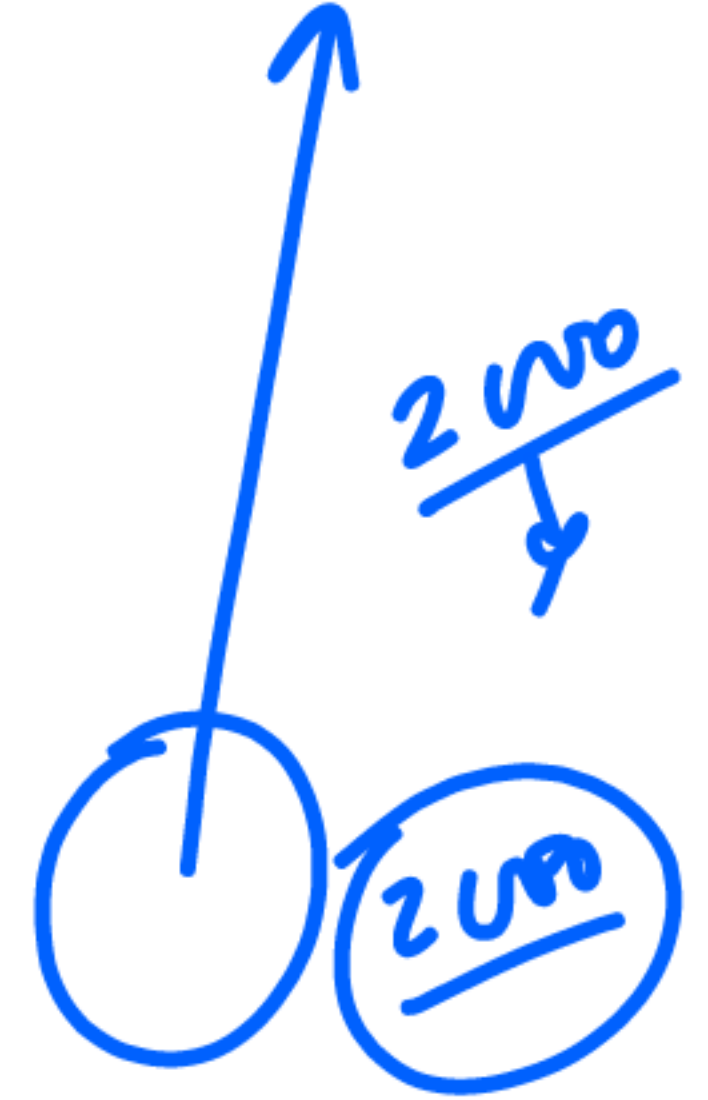
✓ परिणामस्वरूप, गर्मी फंस जाती है और पृथ्वी अधिक गर्म होती जाती है।





## पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन प्रभावित

- ✓ वैज्ञानिकों ने पाया कि पृथ्वी अब जितनी गर्मी अंतरिक्ष में भेज रही है, उससे अधिक अपने पास रख रही है।
- ✓ इससे पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन बिगड़ रहा है, जो ग्लोबल वार्मिंग को तेज कर रहा है।
- ✓ यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो तापमान वृद्धि का सिलसिला और आगे बढ़ सकता है।





## बादलों में गिरावट के वैज्ञानिक अध्ययन

- ✓ कोलोराडो विश्वविद्यालय, बोल्डर के वैज्ञानिक एंड्रयू गेटलमैन के अनुसार, "बादलों में होने वाला एक छोटा सा बदलाव भी ग्रह के तापमान पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।"
- ✓ जर्नल साइंस के अध्ययन के अनुसार, 2023 में हुई 1.45 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि में 0.2 डिग्री सेल्सियस का योगदान कम ऊंचाई वाले बादलों की गिरावट से हुआ।
- ✓ नासा के शोध से पता चला है कि पिछले दो दशकों में पृथ्वी के कुछ सबसे अधिक बादल वाले क्षेत्र तेजी से सिकुड़ गए हैं।



## बादलों की भौगोलिक गिरावट

- ✓ भूमध्य रेखा और उत्तरी-दक्षिणी तूफानी अक्षांशों में बादलों में कमी देखी गई है।
- ✓ इस गिरावट के कारण सूर्य की रोशनी परावर्तित करने वाले बादलों की संख्या घट रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है।
- ✓ अध्ययन बताते हैं कि हर दशक में बादलों का आवरण 1.5% की दर से घट रहा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि को तेज कर रहा है।







## बादलों का प्रकार और उनका प्रभाव

- ✓ कपासी (क्यूम्युलस) बादल (निचली ऊंचाई पर) – पृथ्वी को ठंडा करने में सहायक।
- ✓ पक्षाभ (सिरस) बादल (ऊंचाई पर) – गर्मी को रोककर तापमान बढ़ाने में योगदान करते हैं।
- ✓ वैज्ञानिकों के अनुसार, कम ऊंचाई वाले बादलों की संख्या में गिरावट के कारण तापमान तेजी से बढ़ सकता है।



## गर्मी बढ़ने के संभावित प्रभाव

- ✓ बढ़ता तापमान भीषण गर्मी की घटनाओं को बढ़ा सकता है।
- ✓ कृषि पैदावार प्रभावित हो सकती है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर खतरा बढ़ेगा।
- ✓ मौसम की चरम घटनाएं अधिक आम हो सकती हैं।



## भविष्य की चुनौतियां और वैज्ञानिक चेतावनी

- ✓ वैज्ञानिक मानते हैं कि बादलों के आवरण में गिरावट के सटीक प्रभावों का अनुमान लगाना कठिन है।
- ✓ लेकिन यह स्पष्ट है कि गर्मी परावर्तित करने वाले बादलों की संख्या कम होने से धरती और अधिक गर्म होगी।
- ✓ इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

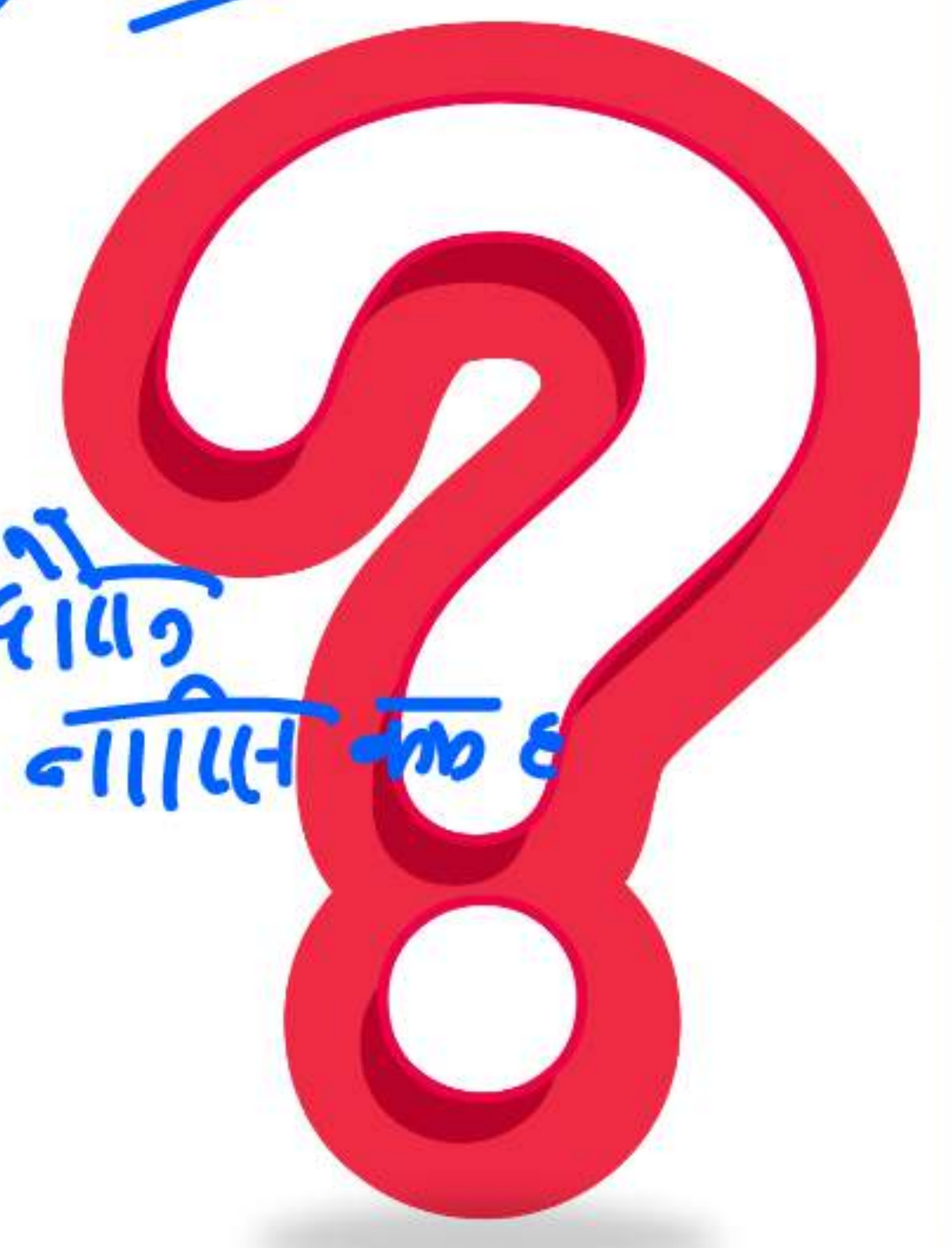
1. 2024 में वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक काल से पहले की तुलना में 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।
2. बादलों की कमी से पृथ्वी का तापमान गिरता है क्योंकि यह सूर्य के विकिरण को अवशोषित करने में असमर्थ होते हैं।
3. वैज्ञानिकों ने पाया है कि हर दशक में बादलों का आवरण लगभग 1.5% की दर से घट रहा है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (A) केवल 1 और 2                      (B) केवल 1 और 3  
(C) केवल 2 और 3                      (D) 1, 2 और 3

पूर्वी व्यापक कक्षों  
La-Niles  
अल-वीजा  
Temp

मानसून के दौरान तापमान में



# कांगों में अत्यधिक मौत की वजह रहस्यमय बीमारी

**UPSC Syllabus Relevance**

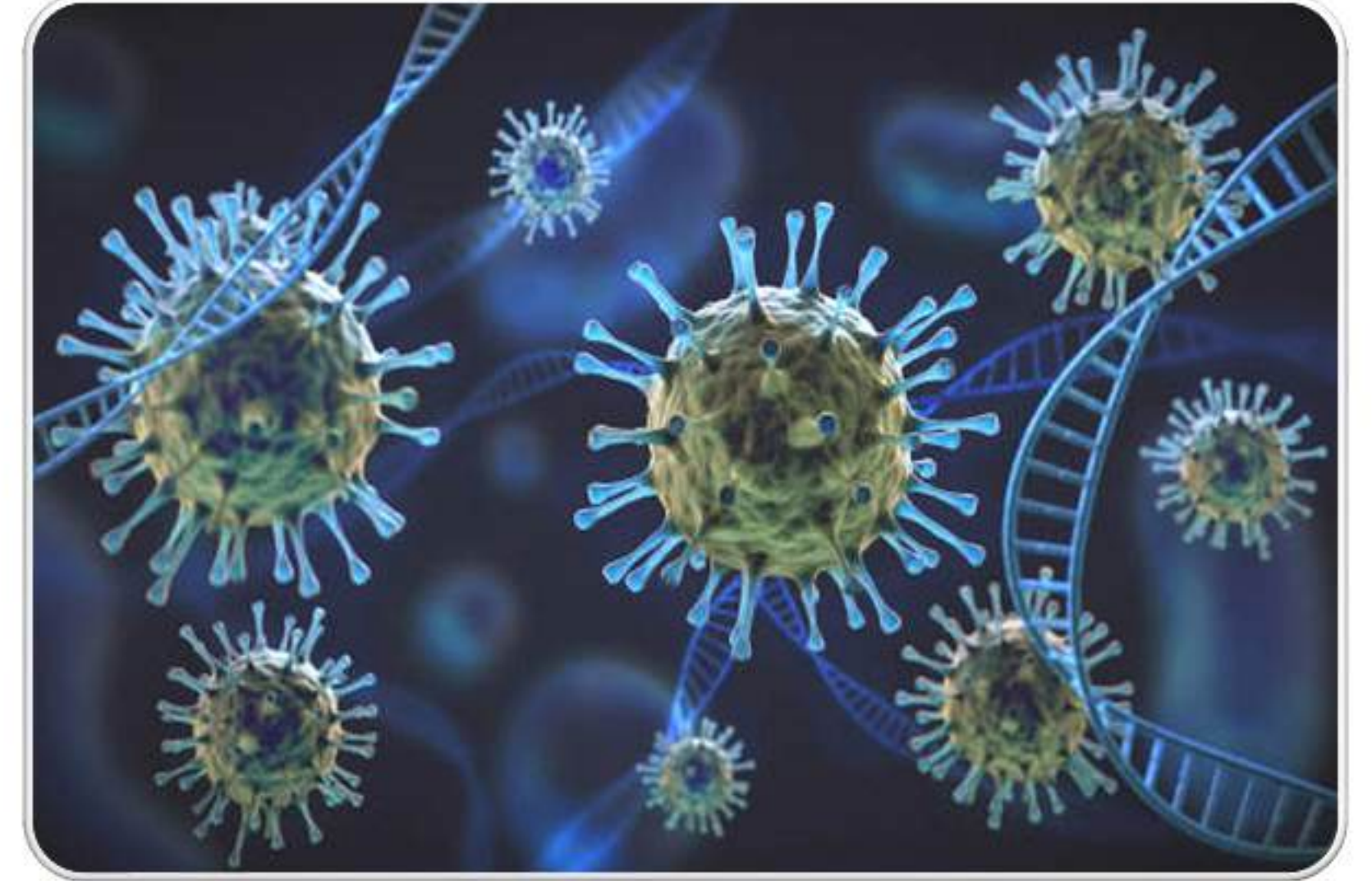
- **UPSC Mains Paper 2**





## मृत्यु दर

- ✓ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी कांगों में एक अज्ञात बीमारी से 50 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है।
- ✓ अधिकतर मामलों में, लक्षणों की शुरुआत से मृत्यु तक का समय केवल 48 घंटे रहा, जो गंभीर चिंता का विषय है।





## प्रकोप की शुरुआत

- ✓ डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका कार्यालय के अनुसार, बोलोको शहर में पहला प्रकोप तब देखा गया जब तीन बच्चों ने चमगादड़ खाया।
- ✓ इन बच्चों में रक्तस्रावी बुखार के लक्षण विकसित हुए और 48 घंटों के भीतर उनकी मृत्यु हो गई।



## बीमारी के प्रसार की स्थिति

- ✓ नवीनतम प्रकोप 21 जनवरी को शुरू हुआ और तब से 419 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 53 मौतें शामिल हैं।
- ✓ वैज्ञानिकों को लंबे समय से चिंता थी कि जंगली जानवरों के उपभोग से बीमारियां इंसानों तक पहुंच सकती हैं।
- ✓ डब्ल्यूएचओ ने 2022 में बताया था कि अफ्रीका में ऐसे प्रकोपों की संख्या पिछले एक दशक में 60% से अधिक बढ़ गई है।





## जांच और परीक्षण

- ✓ 9 फरवरी को बोमाटे शहर में दूसरा प्रकोप शुरू हुआ।
- ✓ 13 मामलों के नमूने परीक्षण के लिए कांगो की राजधानी किंशासा स्थित राष्ट्रीय जैवचिकित्सा अनुसंधान संस्थान भेजे गए।



## जांच और परीक्षण

- ✓ सभी नमूने इबोला या मारबर्ग जैसी रक्तस्रावी बुखार बीमारियों के लिए नेगेटिव पाए गए, लेकिन कुछ में मलेरिया पॉजिटिव मिला।
- ✓ पिछले साल कांगो के एक अन्य हिस्से में फैली एक रहस्यमयी फ्लू जैसी बीमारी को भी मलेरिया के रूप में पहचाना गया था।



## पिछले प्रकोप और मौजूदा स्थिति

- ✓ दिसंबर 2024 में, डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण-पश्चिमी कांगो में अज्ञात बीमारी के प्रकोप की घोषणा की।
- ✓ बाद में पता चला कि यह मलेरिया और सामान्य श्वसन संक्रमण के कारण हुआ था, जो कुपोषण से और बढ़ गया था।



## चुनौतियां और प्रयास

- ✓ डब्ल्यूएचओ ने कहा कि पांजी स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रकोप से निपटने के लिए प्रयास जारी हैं।
- ✓ क्लीनिकल और महामारी विज्ञान प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम बढ़ रहे हैं।



## चुनौतियां और प्रयास

- ✓ गंभीर मामलों में एनीमिया, श्वसन संकट और कुपोषण की जानकारी दी गई है।
- ✓ प्रभावित क्षेत्र दूरस्थ होने के कारण मूल्यांकन और प्रतिक्रिया में कठिनाई हो रही है।



## खाद्य असुरक्षा की बढ़ती समस्या

- ✓ क्वांगो प्रांत में तीव्र खाद्य असुरक्षा का स्तर अप्रैल 2024 में IPC1 (स्वीकार्य) से बढ़कर सितंबर 2024 में IPC3 (संकट स्तर) हो गया।
- ✓ इससे खाद्य असुरक्षा और गंभीर तीव्र कुपोषण का खतरा बढ़ गया है।



## हिंसा और स्वास्थ्य संकट

- ✓ इस महीने की शुरुआत में, डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी कि कांगों के पूर्वी हिस्से में बढ़ती हिंसा ने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।
- ✓ इससे लाखों लोगों की स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है।
- ✓ डब्ल्यूएचओ लगातार मेडिकल सप्लाई, स्वास्थ्यकर्मियों का समर्थन और आपातकालीन प्रतिक्रिया में मदद कर रहा है।

## CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: कांगो में हाल ही में एक रहस्यमय बीमारी से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह बीमारी केवल बच्चों को प्रभावित कर रही है।
  2. अभी तक इस बीमारी का सटीक कारण वैज्ञानिकों द्वारा निर्धारित नहीं किया गया है।
  3. WHO और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बीमारी की निगरानी कर रहे हैं।
- उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (A) केवल 1 और 2 | (B) केवल 2 और 3 |
| (C) केवल 1 और 3 | (D) 1, 2 और 3   |





# पालतू जानवरों की नसबंदी

**UPSC Syllabus Relavanace**

- **UPSC Mains Paper 2**





## समारोह और इसकी शुरुआत

- ✓ विश्व नसबंदी दिवस हर साल फरवरी के अंतिम मंगलवार को मनाया जाता है।
- ✓ 1995 में डोरिस डे और उनके एनिमल लीग द्वारा इसे स्पै डे यूएसए के रूप में शुरू किया गया।
- ✓ इस पहल का मुख्य उद्देश्य पालतू और आवारा जानवरों की अत्यधिक आबादी को नियंत्रित करना था।





## समारोह और इसकी शुरुआत

- ✓ उस समय, अमेरिका में हर साल 1.4 से 1.7 करोड़ कुत्ते और बिल्लियां इच्छामृत्यु का शिकार हो रहे थे।
- ✓ यह वार्षिक आयोजन अब 74 देशों तक फैल चुका है और लाखों जानवरों की नसबंदी या बंध्याकरण हो चुकी है।



## पालतू जानवरों की नसबंदी के लाभ

### जनसंख्या नियंत्रण:

- ✓ गली के कुत्तों और बिल्लियों की अनियंत्रित वृद्धि को रोकने में मदद करता है।

### स्वास्थ्य सुधार:

- ✓ नसबंदी से पालतू जानवरों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।



## पालतू जानवरों की नसबंदी के लाभ

### व्यवहार में सुधार:

- ✓ पालतू जानवरों के आक्रामक व्यवहार और अनावश्यक प्रजनन प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में सहायक।

### जिम्मेदार पालतू स्वामित्व:

- ✓ यह जिम्मेदार पशु देखभाल को प्रोत्साहित करता है, जिससे आश्रयों में भीड़भाड़ कम होती है।



## वैश्विक नसबंदी प्रयास

### भूटान:

- ✓ पूरे देश में 100% स्ट्रीट डॉग्स की नसबंदी कर इसे दयालुता का एक मॉडल बनाया गया।

### रूस:

- ✓ स्वयंसेवी समूह जंगली बिल्लियों की नसबंदी कर रहे हैं ताकि वे प्राकृतिक रूप से कृंतकों की आबादी को नियंत्रित कर सकें।



## नसबंदी को लेकर आम गलतफहमियां

मिथक 1: नसबंदी से पालतू जानवर मोटे हो जाते हैं।

✓ सच्चाई: वजन बढ़ना प्रक्रिया के कारण नहीं, बल्कि अनुचित आहार और कम व्यायाम के कारण होता है।

मिथक 2: मादा पालतू जानवर को नसबंदी से पहले एक बार बच्चे देने देना चाहिए।

✓ सच्चाई: इससे कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं होता और यह सिर्फ आबादी बढ़ाने में योगदान करता है।



## टीएनआर: आवारा बिल्लियों के लिए समाधान

- ✓ ट्रैप-न्यूटर-रिटर्न (TNR) कार्यक्रम जंगली बिल्लियों की आबादी को नियंत्रित करने का एक मानवीय तरीका है।
- ✓ एली कैट रेस्क्यू का ग्लोबल फेरल फिक्स चैलेंज दुनिया भर के पशु चिकित्सकों को सस्ती या मुफ्त नसबंदी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है।
- ✓ इस कार्यक्रम के तहत बिल्लियों को पकड़कर, उनकी नसबंदी कर, फिर उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है।





## वन्यजीव संरक्षण और नसबंदी का संबंध

- ✓ अनियंत्रित जंगली बिल्ली की आबादी पक्षियों और छोटे स्तनधारियों के लिए खतरा बन सकती है।
- ✓ संरक्षणवादी स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए जंगली बिल्लियों की नसबंदी का समर्थन करते हैं।
- ✓ टीएनआर जैसे कार्यक्रम पशु कल्याण और पारिस्थितिकी संतुलन के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।



## सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टिकोण

- ✓ कुछ संस्कृतियों में नसबंदी का विरोध किया जाता है, क्योंकि इसे प्राकृतिक व्यवस्था के विरुद्ध माना जाता है।
- ✓ हालांकि, अब कई धार्मिक और सांस्कृतिक नेता इस प्रक्रिया को अधिक आबादी और पशु पीड़ा के मानवीय समाधान के रूप में समर्थन कर रहे हैं।



## समाज पर प्रभाव और आगे का मार्ग

- ✓ पालतू जानवरों की जिम्मेदारीपूर्ण देखभाल को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता आवश्यक है।
- ✓ नसबंदी कार्यक्रमों का वैश्विक विस्तार पशु कल्याण और पारिस्थितिकी संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- ✓ समुदायों को इस प्रयास में शामिल होकर पालतू और आवारा जानवरों के लिए एक सुरक्षित और दयालु वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

## CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: पालतू जानवरों की नसबंदी से जुड़े निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा गलत है?

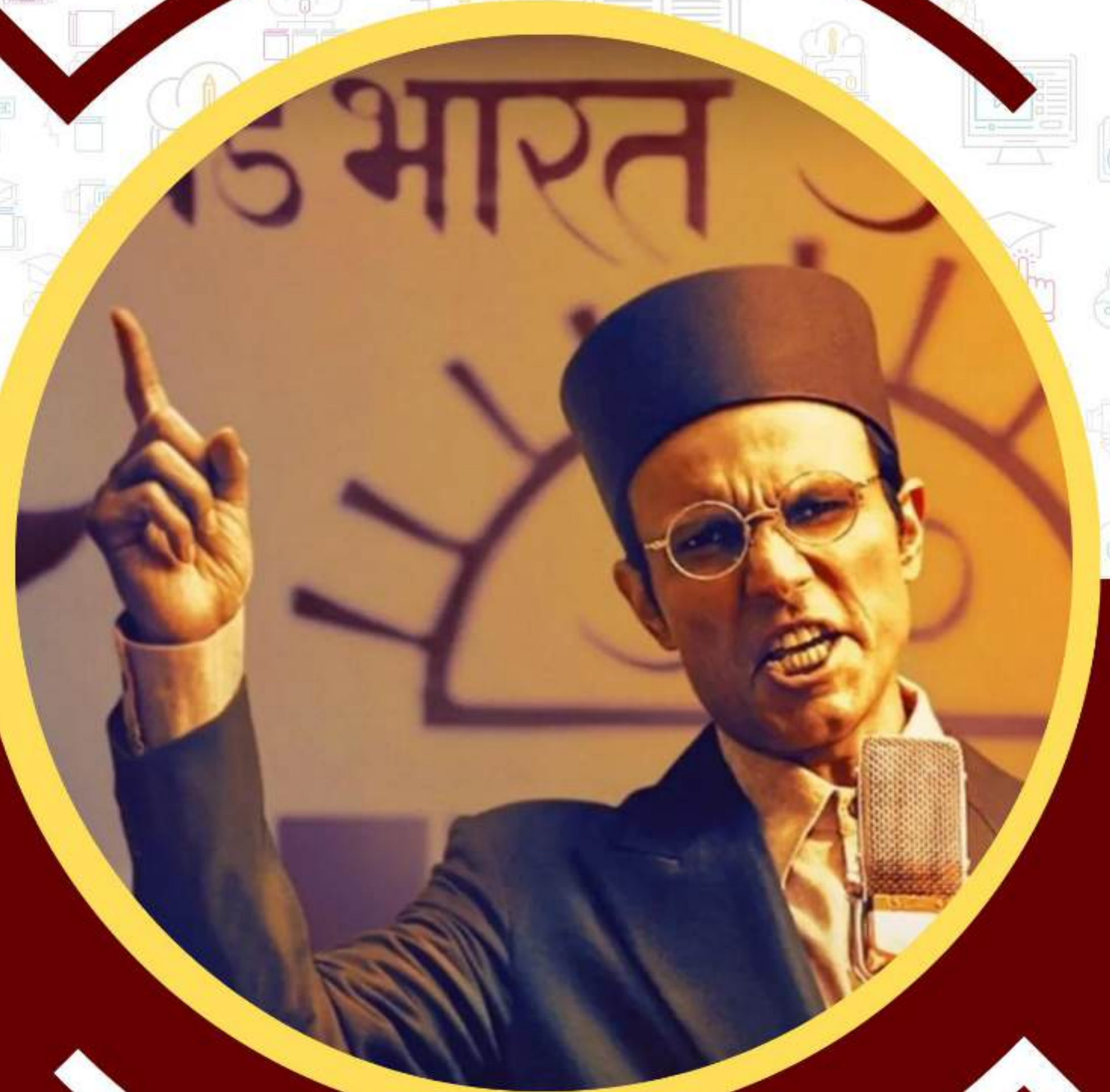
- (A) नसबंदी से पालतू जानवरों की जनसंख्या नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
- (B) नसबंदी किए गए जानवरों में आक्रामक व्यवहार बढ़ जाता है। ✓
- (C) नसबंदी से कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। ✓
- (D) भूटान ने अपने पूरे देश में आवारा कुत्तों की 100% नसबंदी की है। ✓



# वीर सावरकर

**UPSC Syllabus Relevance**

- **UPSC Mains Paper 2**





## परिचय

- ✓ वीर सावरकर (विनायक दामोदर सावरकर) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रखर राष्ट्रवादी, क्रांतिकारी, समाज सुधारक और विचारक थे। वे हिंदुत्व विचारधारा के प्रमुख प्रणेता माने जाते हैं और अपने साहसिक कार्यों, क्रांतिकारी गतिविधियों और लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं।





## प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

- ✓ जन्म: 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में भगूर गांव में हुआ।
- ✓ शिक्षा: पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज से स्नातक किया, बाद में लंदन के ग्रेज इन में कानून की पढ़ाई की।
- ✓ छात्र जीवन में ही क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हो गए और मित्र मेला नामक संगठन की स्थापना की।



## क्रांतिकारी गतिविधियां और स्वतंत्रता संग्राम

- ✓ 1905 के बंगाल विभाजन के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय भागीदारी।
- ✓ 1909 में लंदन में रहते हुए "फ्री इंडिया सोसाइटी" की स्थापना की और ब्रिटिश राज के खिलाफ संघर्ष को मजबूत किया।





## क्रांतिकारी गतिविधियां और स्वतंत्रता संग्राम

- ✓ उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम पर लिखी पुस्तक "द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस - 1857" जो ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दी गई थी।
- ✓ मदनलाल ढींगरा को ब्रिटिश अधिकारी कर्जन वायली की हत्या के लिए प्रेरित करने में उनकी भूमिका रही।



## कालापानी की सजा और संघर्ष

- ✓ 1909 में नासिक षड्यंत्र केस में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें द्वितीय श्रेणी का दोषी करार देते हुए दो बार आजीवन कारावास (50 वर्ष) की सजा सुनाई।
- ✓ उन्हें सेलुलर जेल (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) भेज दिया गया, जिसे "कालापानी" कहा जाता था।



## कालापानी की सजा और संघर्ष

- ✓ जेल में अमानवीय यातनाओं के बावजूद वे संघर्ष करते रहे और हिंदुत्व की विचारधारा को मजबूत किया।
- ✓ उन्होंने जेल में रहते हुए "हिंदुत्व - हिंदू कौन है?" नामक पुस्तक लिखी, जो बाद में हिंदुत्व विचारधारा का आधार बनी।



## रिहाई और सामाजिक सुधार कार्य

- ✓ 1924 में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें सशर्त रिहा किया और उन्हें महाराष्ट्र में नजरबंद रखा गया।
- ✓ रिहाई के बाद उन्होंने सामाजिक सुधार कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया, जैसे:
  - ✓ छुआछूत उन्मूलन
  - ✓ हिंदू समाज में सुधार
  - ✓ स्वदेशी आंदोलन को बढ़ावा



## हिंदुत्व और राष्ट्रवाद

- ✓ सावरकर ने हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को स्पष्ट किया और इसे हिंदू समाज की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान से जोड़ा। →
- ✓ उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले और इसे पवित्र भूमि मानने वाले ही वास्तविक हिंदू हैं।
- ✓ वे भारतीय समाज की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रवाद को मजबूत करने के पक्षधर थे।



## महात्मा गांधी की हत्या और विवाद

- ✓ 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के मामले में उन्हें आरोपी बनाया गया, लेकिन अपर्याप्त साक्ष्यों के कारण बरी कर दिया गया।
- ✓ उनके विचारों और गतिविधियों को लेकर आज भी विवाद बना रहता है।

## निधन

- ✓ 26 फरवरी 1966 को मुंबई में वीर सावरकर का निधन हुआ।
- ✓ उन्होंने अपने जीवन के अंतिम समय में "आत्मार्पण" (स्वेच्छा से भोजन और दवा का त्याग) किया।



## महात्मा गांधी की हत्या और विवाद

- ✓ वीर सावरकर को भारतीय राष्ट्रवाद और हिंदुत्व विचारधारा के प्रमुख स्तंभों में से एक माना जाता है।
- ✓ उनके नाम पर सावरकर पुरस्कार, हवाई अड्डों, सड़कों और संस्थानों के नाम रखे गए हैं।
- ✓ वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा, विचारक और लेखक के रूप में सदैव याद किए जाते रहेंगे।

## CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: वीर सावरकर के जीवन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वीर सावरकर को 1909 में नासिक षड्यंत्र केस में आजीवन कारावास की सजा मिली थी।
2. "हिंदुत्व - हिंदू कौन है?" पुस्तक का लेखन उन्होंने सेलुलर जेल (अंडमान) में किया था।
3. महात्मा गांधी की हत्या के मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया और आजीवन कारावास की सजा दी गई थी।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (A) केवल 1 और 2 | (B) केवल 1 और 3 |
| (C) केवल 2 और 3 | (D) 1, 2 और 3   |





*Thank You*